Final Year (Arts) Examination of the Three-year Degree Course, 2001

(Faculty of Humanities)

HISTORY

Paper - I

(History of Rajasthan - 1433 to 1900)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक खण्ड से कम से कम **दो** प्रश्न कीजिए।
सभी प्रश्नो के अंक समान है।

खण्ड–अ

1. क्या आप इस कथन से सहमत है कि महाराणा कुम्भा एक महान सेनानायक था?

2. राण सांगा के नेतृत्व में मेवाड राज्य के उत्थान की विवेचना कीजिए।

3. जिन परिस्थितियों के कारण शेरशाह और मालदेव में संघर्ष छिडा, उनकी आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

4. ''राव चन्द्रसेन मध्यकालीन रालस्थान का महत्त्वपूर्ण योद्धा था। वह एक साहसी और दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति था, जिसे अकबर की शक्ति भी नहीं झुका सकी थी।'' सपष्ट कीजिए।

5. राजस्थान में मराठा शक्ति के प्रवेश के लिए उत्तराधिकारियों के विवाद की जिम्मेदारी के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण कीजिए। अन्य कारणें को भी स्पष्ट कीजिए।

6. '' ब्रिटिश सर्वोच्चता के प्रभाव ने राजस्थान को 'नवीन राजस्थान' के रूप में स्थापित किया।'' कैसे?

खण्ड–ब

7. राजस्थान में सामन्त व्यवस्था की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

8. उन्नीसवी सदी के राजस्थान में सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए किए गये कार्यो को बतलाइयए।

9. राजस्थान की व्यापारिक यातायात- व्यवस्था और उसकी प्रक्रिया को समझाइए।

10. राजस्थान के इतिहास के स्रोत के रूप में शिलालेखों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com